

उत्तर बंग विश्वविद्यालय
एम. ए. हिंदी पाठ्यक्रम
वर्ष 2022 से प्रारम्भ

कुल सेमेस्टर - 04
कुल अंक - 1600

कुल पत्र - 21
कुल क्रेडिट- 64

सेमेस्टर -1

कोर्स कोड	पत्र	अंक	क्रेडिट
CC-1	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)	100	4
CC-2	हिंदी भाषा का विकास	100	4
CC-3	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	100	4
DSE-1(A)	स्त्री विमर्श और हिंदी साहित्य	50	2
DSE-1(B)	दलित विमर्श और हिंदी साहित्य	50	2
AEC		50	2

विद्यार्थी DSE-1(A) और DSE-1(B) में से किसी एक विकल्प का चयन करेंगे।

सेमेस्टर-2

कोर्स कोड	पत्र	अंक	क्रेडिट
CC-4	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	100	4
CC-5	उपन्यास और कहानी	100	4
CC-6	नाटक और निबंध	100	4
DSE-2(A)	सर्जनात्मक लेखन	50	2
DSE-2(B)	रचनात्मक लेखन	50	2
SEC		50	2

विद्यार्थी DSE-2(A) और DSE-2(B) में से किसी एक विकल्प का चयन करेंगे।

सेमेस्टर -3

कोर्स कोड	पत्र	अंक	क्रेडिट
CC-7	भाषा विज्ञान	100	4
GE-1(A)	प्रयोजनमूलक हिंदी	100	4
GE-1(B)	साहित्य और सिनेमा		
DSE-3(A)	हिंदी पत्रकारिता	50x3=150	2x3=6
DSE-3(B)	प्रेमचंद		
DSE-3(C)	संपादन- प्रक्रिया		
DSE-3(D)	छायावादोत्तर काव्य		
DSE-3(E)	हिंदी आलोचना		
DSE-3(F)	हिंदी गद्य की विविध विधाएं		
AEC		50	2

विद्यार्थी DSE-3(A), DSE-3(B), DSE-3(C), DSE-3(D), DSE-3(E) और DSE-3(F) में से किन्हीं तीन विकल्पों का चयन करेंगे।

विद्यार्थी GE-1(A) और GE-1(B) में से किसी एक विकल्प का चयन करेंगे।

सेमेस्टर - 4

कोर्स कोड	पत्र	अंक	क्रेडिट
CC-8	आधुनिक काव्य	100	4
CC-9	काव्यशास्त्र	100	4
GE-2(A)	अनुवाद-विज्ञान	100	4
GE-2(B)	भारतीय साहित्य		
DSE-4(A)	आदिवासी विमर्श और हिंदी साहित्य	50	2
DSE-4(B)	तुलनात्मक साहित्य	50	2
SEC		50	2

विद्यार्थी DSE-4(A) और DSE-4(B) में से किसी एक विकल्प का चयन करेंगे।

विद्यार्थी GE-2(A) और GE-2(B) में से किसी एक विकल्प का चयन करेंगे।

प्रति क्रेडिट - 25 अंक

अंक विभाजन -

- 1) 100 अंक के पत्र के लिए: 4 आलोचनात्मक प्रश्न-15x4=60, 2 लघूत्तरी/व्याख्या प्रश्न -7½ x 2=15, ट्यूटोरियल/मौखिकी/सेमिनार/लघु शोध योजना-25
- 2) 50 अंक के पत्र के लिए: 2 आलोचनात्मक प्रश्न-15x2=30, 2 लघूत्तरी/व्याख्या प्रश्न -6x2=12, ट्यूटोरियल/मौखिकी-8

- The Department of Hindi, NBU, will provide two additional seats for the students from other departments for GE Courses.

कोर्स कोड: CC-1

हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

पूर्णांक-100

- क्रेडिट /इकाई -1: इतिहास दर्शन, हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ, काल विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण।
- क्रेडिट /इकाई -2: आदिकाल की पृष्ठभूमि, ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, गद्य-साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार।
- क्रेडिट /इकाई -3: मध्यकाल (भक्तिकाल एवं रीतिकाल)- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना।
भक्ति आन्दोलन की विभिन्न काव्यधाराएँ- संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य-विशेषताएँ और प्रमुख कवि।
रीतिकालीन काव्य की विविध धाराएँ – विशेषताएँ और प्रमुख कवि।
- क्रेडिट /इकाई -4: ट्यूटोरियल 25-अंक

कोर्स कोड : CC-2

हिंदी भाषा का विकास

पूर्णांक -100

- क्रेडिट /इकाई -1: हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ- वैदिक और लौकिक संस्कृत।
मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ - पाली, प्राकृत, अपभ्रंश और पुरानी हिंदी - सामान्य परिचय।
- क्रेडिट /इकाई -2: हिंदी का भौगोलिक विस्तार, हिंदी का ऐतिहासिक विकास और उसकी बोलियाँ, काव्यभाषा के रूप में ब्रज एवं अवधी।
- क्रेडिट /इकाई -3: खड़ी बोली हिंदी का उद्भव और विकास, दक्खिनी हिन्दी, ईस्ट इंडिया कंपनी की भाषा नीति, शिवप्रसाद सितारेहिंद, लक्ष्मण सिंह और भारतेन्दु की भाषा-दृष्टि।
- क्रेडिट /इकाई -4: ट्यूटोरियल 25-अंक

कोर्स कोड : CC-3

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पूर्णांक -100

- क्रेडिट /इकाई -1: विद्यापति- विद्यापति पदावली- रामवृक्ष बेनीपुरी (सं)
पद संख्या-1,2,3,4,35,36,110,114,176,188
कबीरदास- कबीर ग्रंथावली- श्यामसुंदर दास (सं)
पद-संख्या 1,2,3,16,24
साखी -
गुरुदेव को अंग -1,3,4
विरह को अंग -2-6
- क्रेडिट /इकाई -2: जायसी- पद्मावत - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (सं)
नागमती वियोग-वर्णन खंड
सूरदास - भ्रमरगीत सार - आचार्य रामचंद्र शुक्ल (सं)
पद संख्या - 31-40
- क्रेडिट /इकाई -3: तुलसीदास- विनय पत्रिका, गीता प्रेस, गोरखपुर।
पद संख्या- 66,79,88,90,91,101,105,162,172,174
घनानंद - घनानंद कवित्त - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (सं)
पद संख्या -1 से 10
- क्रेडिट /इकाई -4: ट्यूटोरियल 25-अंक

कोर्स कोड: DSE-1(A)

स्त्री विमर्श और हिंदी साहित्य

पूर्णांक-50

- क्रेडिट /इकाई 1- स्त्री विमर्श : अवधारणा और स्वरूप।
- क्रेडिट /इकाई 2- स्त्री विमर्श और हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाएँ : कविता, कहानी, उपन्यास।
ट्यूटोरियल 8-अंक

कोर्स कोड: DSE-1(B)	दलित विमर्श और हिंदी साहित्य	पूर्णांक-50
क्रेडिट /इकाई1. दलित विमर्श :अवधारणा और स्वरूप । क्रेडिट /इकाई2: दलित विमर्श और हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाएँ : कविता और आत्मकथा । ट्यूटोरियल		8-अंक
सेमेस्टर - 2		
कोर्स कोड: CC-4	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	पूर्णांक-100
क्रेडिट/इकाई -1: आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि । सन् 1857 की क्रांति और पुनर्जागरण । क्रेडिट/इकाई -2: आधुनिक हिंदी कविता का विकास : नवजागरणकालीन कविता, छायावादी कविता, प्रगतिवादी कविता- विशेषता एवं प्रमुख कवि । क्रेडिट/इकाई -3: आधुनिक हिंदी कविता का विकास :प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता –विशेषता एवं प्रमुख कवि । क्रेडिट /इकाई -4: लघु शोध योजना		25-अंक
कोर्स कोड: CC-5	उपन्यास और कहानी	पूर्णांक -100
क्रेडिट/इकाई -1: गोदान : प्रेमचंद क्रेडिट/इकाई -2: बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारी प्रसाद द्विवेदी क्रेडिट/इकाई -3: कहानियाँ : कफ़न – प्रेमचंद पत्नी – जैनेन्द्र घंटा- ज्ञानरंजन सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती पॉल गोमरा का स्कूटर – उदय प्रकाश क्रेडिट/इकाई-4: लघु शोध योजना		25-अंक
कोर्स कोड: CC- 6	नाटक और निबंध	पूर्णांक -100
क्रेडिट/इकाई -1: स्कंदगुप्त – जयशंकर प्रसाद क्रेडिट/इकाई -2:अंधायुग – धर्मवीर भारती क्रेडिट/इकाई -3: निबंध- भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है ? : भारतेन्दु हरिश्चंद्र साहित्य : महावीर प्रसाद द्विवेदी कविता क्या है ? रामचंद्र शुक्ल कुटज : हजारी प्रसाद द्विवेदी मेरे राम का मुकुट भीग रहा है : विद्यानिवास मिश्र क्रेडिट/इकाई -4: लघु शोध योजना		25-अंक

कोर्स कोड: DSE-2(A) सर्जनात्मक लेखन पूर्णांक -50

क्रेडिट/इकाई -1. रिपोर्टाज: अर्थ, स्वरूप। रिपोर्टाज एवं अन्य गद्य रूप। रिपोर्टाज और फीचर लेखन-प्रविधि।
क्रेडिट /इकाई-2. साक्षात्कार (इंटरव्यू/ भेंटवार्ता): उद्देश्य, प्रकार, महत्त्व, प्रविधि।
समीक्षा: फिल्म-समीक्षा, पुस्तक-समीक्षा।

ट्यूटोरियल

8-अंक

कोर्स कोड : DSE-2(B). रचनात्मक लेखन पूर्णांक -50

क्रेडिट/इकाई 1. रचनात्मक लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य।
क्रेडिट/इकाई 2. रचनात्मक लेखन : रचना-कौशल का विश्लेषण।
रचना-सौष्ठव : शब्द -शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण और वक्रताएं, छंद, मिथक, कहावतें, मुहावरे, लोकोक्तियाँ।

ट्यूटोरियल

8 अंक

सेमेस्टर - 3

कोर्स कोड: CC-7 भाषा विज्ञान पूर्णांक-100

क्रेडिट/इकाई:1- भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा और बोली, वाक्। भाषा परिवर्तन के कारण।
क्रेडिट/इकाई:2-स्वन: अवधारणा और वर्गीकरण, स्वन परिवर्तन। स्वनिम: अवधारणा और भेद।
क्रेडिट/इकाई:3-रूपिम: अवधारणा और भेद, शब्द और अर्थ, अर्थ-परिवर्तन।

क्रेडिट/इकाई:4-सेमिनार

25-अंक

कोर्स कोड: DSE-3(A) हिंदी पत्रकारिता पूर्णांक -50

क्रेडिट /इकाई:1. हिंदी पत्रकारिता के विविध चरणों का प्रवृत्तिमूलक अध्ययन। लघु पत्रिका आन्दोलन, पीत पत्रकारिता।
क्रेडिट /इकाई:2. समाचार मूल्य, समाचार संकलन और विभिन्न स्रोत, समाचार-लेखन, संवाददाता की योग्यता और दायित्व।
जनतांत्रिक व्यवस्था में चौथे खंभे के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

मौखिकी

8-अंक

कोर्स कोड: DSE- 3(B) प्रेमचंद पूर्णांक-50

क्रेडिट /इकाई1. उपन्यास: कर्मभूमि। कहानियाँ: मुक्तिमार्ग, पूस की रात।
क्रेडिट /इकाई 2. निबंध : महाजनी सभ्यता, साहित्य का उद्देश्य।

मौखिकी

8-अंक

कोर्स कोड: DSE- 3(C)	संपादन-प्रक्रिया	पूर्णांक-50
<p>क्रेडिट /इकाई: 1. संपादन कला, संपादक का उत्तरदायित्व, शीर्षकीकरण, आमुख, संपादन चिह्न ।</p> <p>क्रेडिट /इकाई: 2. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून, आचार संहिता, प्रसार भारती, न्यूज़ एजेंसी, डिजिटल युग में पत्रकारिता ।</p>		
	मौखिकी	8-अंक
कोर्स कोड: DSE- 3(D)	छायावादोत्तर काव्य	पूर्णांक-50
<p>क्रेडिट /इकाई: 1. नागार्जुन – बादल को घिरते देखा है, प्रेत का बयान, बहुत दिनों के बाद ।</p> <p>शमशेर – एक पीली शाम, बात बोलेगी, उषा ।</p> <p>क्रेडिट /इकाई: 2. रघुवीर सहाय – रामदास, पढ़िए गीता, हँसो-हँसो जल्दी हँसो ।</p> <p>सर्वेश्वरदयाल सक्सेना –भेड़िया-1, जंगल का दर्द, तुम्हारे साथ रहकर</p>		
	मौखिकी	8-अंक
कोर्स कोड: DSE-3(E)	हिंदी आलोचना	पूर्णांक-50
<p>क्रेडिट /इकाई: 1. हिंदी आलोचना का विकास ।</p> <p>क्रेडिट /इकाई: 2. आलोचना दृष्टि : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह ।</p>		
	मौखिकी	8-अंक
कोर्स कोड: DSE-3(F)	हिंदी गद्य की विविध विधाएँ	पूर्णांक -50
<p>क्रेडिट /इकाई: 1 स्मृति की रेखाएँ (रेखाचित्र) – महादेवी वर्मा ।</p> <p>क्रेडिट /इकाई: 2. एक साहित्यिक की डायरी (डायरी) – मुक्तिबोध ।</p>		
	मौखिकी	8-अंक
कोर्स कोड: GE-1(A)	प्रयोजनमूलक हिंदी	पूर्णांक -100
<p>क्रेडिट/इकाई: 1 हिंदी के विभिन्न रूप : राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, बोली और मानक भाषा । नागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं उसका मानकीकरण ।</p> <p>क्रेडिट/इकाई: 2. राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान: राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक), राजभाषा अधिनियम – 1963 (यथासंशोधित 1967), राजभाषा संकल्प-1968 (यथा अनुमोदित 1991), राजभाषा अधिनियम – 1976.</p> <p>क्रेडिट/इकाई: 3. मीडिया लेखन, दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन, विज्ञापन ।</p> <p>क्रेडिट/इकाई: 4 .सेमिनार</p>		
		25-अंक
कोर्स कोड: GE- 1(B)	साहित्य और सिनेमा	पूर्णांक-100
<p>क्रेडिट/इकाई: 1. साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध ।</p> <p>क्रेडिट/इकाई: 2. साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों का समीक्षात्मक अध्ययन : तीसरी कसम, रजनीगंधा ।</p> <p>क्रेडिट/इकाई: 3. पटकथा: अर्थ एवं आयाम । कथा एवं पटकथा का स्वरूप ।</p> <p>क्रेडिट/इकाई: 4. सेमिनार</p>		
		25-अंक

सेमेस्टर - 4

कोर्स कोड CC-8

आधुनिक काव्य

पूर्णांक-100

- क्रेडिट/इकाई:1. मैथिलीशरण गुप्त - साकेत (नवम सर्ग) ।
जयशंकर प्रसाद – कामायनी (श्रद्धा सर्ग) ।
क्रेडिट/इकाई.2 . महादेवी वर्मा – वसंत रजनी, विरह का जलजात, तुम मुझमें प्रिय ।
अज्ञेय :शब्द और सत्य, यह दीप अकेला, नदी के द्वीप ।
क्रेडिट/इकाई .3.मुक्तिबोध - अँधेरे में ।
केदारनाथ सिंह - सृष्टि पर पहरा, बाघ -1, उत्तर कबीर ।
क्रेडिट/इकाई.4 मौखिकी

25-अंक

कोर्स कोड :CC-9

काव्यशास्त्र

पूर्णांक -100

- क्रेडिट/इकाई 1. भारतीय काव्यशास्त्र : काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार ।
क्रेडिट/इकाई 2 . रस-सिद्धांत, अलंकार- सिद्धांत, रीति सिद्धांत – मूल स्थापनाएँ और भेद ।
वक्रोक्ति – सिद्धांत, ध्वनि - सिद्धांत, औचित्य – सिद्धांत – मूल स्थापनाएँ और भेद ।
क्रेडिट/इकाई 3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र :
अरस्तू- त्रासदी-विवेचन ।
लॉजाइनस-उदात्त की अवधारणा ।
वर्ड्सवर्थ -काव्यभाषा का सिद्धांत ।
कॉलरिज – कल्पना-सिद्धांत ।
टी.एस.इलियट –निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत ।
आई.ए.रिचर्ड्स – संप्रेषण-सिद्धांत ।
क्रेडिट/इकाई.4 मौखिकी

25-अंक

कोर्स कोड: GE-2(A)

अनुवाद - विज्ञान

पूर्णांक -100

- क्रेडिट/इकाई 1. अनुवाद : अर्थ, परिभाषा, अनुवाद की भूमिका, अनुवाद का महत्त्व ।
क्रेडिट/इकाई 2 . अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि: अनुवाद के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा । अनुवाद-
सिद्धांत : संकेतार्थ सिद्धांत, समतुल्यता का सिद्धांत ।
क्रेडिट/इकाई 3. अनुवाद के क्षेत्र और समस्याएँ : कार्यालयी अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद । अनुवाद के उपकरण : कोश,
पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कंप्यूटर ।
क्रेडिट/इकाई.4 ट्यूटोरियल

25-अंक

कोर्स कोड : GE-2(B)

भारतीय साहित्य

पूर्णांक -100

- क्रेडिट/इकाई: 1. भारतीय साहित्य: अवधारणा और स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीयता का
समाजशास्त्र ।
क्रेडिट/इकाई: 2. भारतीय साहित्यिक कृतियों का अध्ययन :
वर्षा की सुबह (ओड़िया) – सीताकांत महापात्र
घासीराम कोतवाल (मराठी) – विजय तेंदुलकर
क्रेडिट/इकाई:3. मृत्युंजय (असमिया) – बीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य
बीच का रास्ता नहीं होता (पंजाबी) – पाश
क्रेडिट/इकाई.4 ट्यूटोरियल

25-अंक

कोर्स कोड: DSC-4(A)

आदिवासी विमर्श और हिंदी साहित्य

पूर्णांक -50

क्रेडिट/इकाई:1. आदिवासी विमर्श: अवधारणा और स्वरूप ।

क्रेडिट/इकाई :2. आदिवासी विमर्श और हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाएं : कविता, कहानी ।
ट्यूटोरियल

अंक-8

कोर्स कोड : DSE-4(B)

तुलनात्मक साहित्य

पूर्णांक -50

क्रेडिट/इकाई:1. तुलनात्मक साहित्य का महत्त्व, उपयोगिता और सामान्य प्रविधि, तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ ।

क्रेडिट/इकाई:2. हिंदी एवं बांग्ला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : सेवासदन (प्रेमचंद) एवं श्रीकांत (शरतचंद्र)
उपन्यासों के विशेष संदर्भ में ।

ट्यूटोरियल

अंक-8

OBJECTIVES OF COURSES:

SEMESTER-I		
Course Code	Name of Course	Objectives
CC-1	Hindi Sahitya Ka Itihas (Ritikaal Tak)	<ul style="list-style-type: none">To develop the concept of History of Hindi literature (from <i>Adikaal</i> to <i>Ritikaal</i>).To develop the knowledge of the traditions of Hindi literature (from <i>Adikaal</i> to <i>Ritikaal</i>) in the light of History.To encourage the students for original thinking/thought/decision making.To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing).To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of History of Hindi literature.To prepare the students for pursuing research or careers in History of Hindi literature and it's allied fields.
CC-2	Hindi Bhasha Ka Vikas	<ul style="list-style-type: none">To develop the concept of History of Hindi language.To develop the knowledge of the History of Hindi language.To encourage the students for original thinking/thought/decision making.To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing).To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of History of Hindi language.To prepare the students for pursuing research or careers in History of Hindi language and it's allied fields.
CC-3	Prachin Evam Madhyakaaleen Kavya	<ul style="list-style-type: none">To develop the concept of ancient and medieval Hindi literature.To develop the knowledge of the text of ancient and medieval Hindi literature.To encourage the students for original thinking/thought/decision making.To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing).To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of ancient and medieval Hindi literature by text.To prepare the students for pursuing research or careers in ancient and medieval Hindi literature and it's allied fields.
DSE-1(A)	Stri Vimarsh Aur Hindi Sahitya	<ul style="list-style-type: none">To develop the concept of feminism in Hindi literature.To develop the knowledge of the feminism in Hindi literature.To sensitize the students regarding gender equality and democratic values through discourse.To encourage the students for original thinking/thought/decision making.To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing).To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of feminism in Hindi literature.To prepare the students for pursuing research or careers in feminism in Hindi literature and it's allied fields.
DSE-1(B)	Dalit Vimarsh Aur Hindi Sahitya	<ul style="list-style-type: none">To develop the concept of Dalit discourse in Hindi literature.To develop the knowledge of Dalit discourse in Hindi literature.To sensitize the students regarding equality irrespective of caste and democratic values through discourse.To encourage the students for original thinking/thought/decision making.To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing).To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of Dalit discourse in Hindi literature.To prepare the students for pursuing research or careers in Dalit discourse in Hindi literature and it's allied fields.
AEC		

SEMESTER-II

Course Code	Name of Course	Objectives
CC-4	Hindi Sahitya Ka Itihas (Aadhunik Kaal)	<ul style="list-style-type: none">• To develop the concept of History of modern Hindi literature.• To develop the knowledge of the traditions of modern Hindi literature in the light of History.• To encourage the students for original thinking/thought/decision making.• To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing).• To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of History of modern Hindi literature.• To prepare the students for pursuing research or careers in History of Hindi literature and it's allied fields.
CC-5	Upanyas Aur Kahani	<ul style="list-style-type: none">• To develop the concept of Hindi fiction and short stories.• To develop the knowledge of Hindi fiction and short stories through the text.• To encourage the students for original thinking/thought/decision making.• To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing).• To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Hindi fiction and short stories.• To prepare the students for pursuing research or careers in Hindi fiction and short stories and it's allied fields.
CC-6	Naatak Aur Nibandh	<ul style="list-style-type: none">• To develop the concept of Hindi plays and essays.• To develop the knowledge of Hindi plays and essays through the text.• To encourage the students for original thinking/thought/decision making.• To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing).• To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Hindi plays and essays.• To prepare the students for pursuing research or careers in Hindi plays and essays and it's allied fields.
DSE-2(A)	Sarjanatmak Lekhan	<ul style="list-style-type: none">• To develop the concept of creative writing in Hindi.• To develop the knowledge of creative writing in Hindi.• To encourage the students for original thinking/thought/decision making.• To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing).• To prepare the students with skills to analyze the different aspects of creative writing in Hindi.• To prepare the students for pursuing research or careers in creative writing in Hindi and it's allied fields.
DSE-2(B)	Rachanatmak Lekhan	<ul style="list-style-type: none">• To develop the concept of literary writing in Hindi.• To develop the knowledge of literary writing in Hindi.• To encourage the students for original thinking/thought/decision making.• To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing).• To prepare the students with skills to analyze the different aspects of literary writing in Hindi.• To prepare the students for pursuing research or careers in literary writing in Hindi and it's allied fields.
SEC		

SEMESTER-III		
Course Code	Name of Course	Objectives
CC-7	Bhasha-Vigyan	<ul style="list-style-type: none"> • To develop the concept of linguistics in Hindi. • To develop the knowledge of linguistics in Hindi. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of linguistics in Hindi. • To prepare the students for pursuing research or careers in linguistics in Hindi and it's allied fields.
GE-1(A)	Prayojanmoolak Hindi	<ul style="list-style-type: none"> • To develop the concept of Official Language Hindi. • To develop the knowledge of Official Language Hindi. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Official Language Hindi. • To prepare the students for pursuing research or careers in Official Language Hindi and it's allied fields.
GE-1(B)	Sahitya Aur Cinema	<ul style="list-style-type: none"> • To develop the concept of relationship between Hindi Literature and Cinema. • To develop the knowledge of relationship between Hindi Literature and Cinema. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of relationship between Hindi Literature and Cinema. • To prepare the students for pursuing research or careers in relationship between Hindi Literature and Cinema and it's allied fields.
DSE-3(A)	Hindi Patrakarita	<ul style="list-style-type: none"> • To develop the concept of Journalism in Hindi. • To develop the knowledge of Journalism in Hindi. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Journalism in Hindi. • To prepare the students for pursuing research or careers in Journalism in Hindi and it's allied fields.
DSE-3(B)	Premchand	<ul style="list-style-type: none"> • To develop the concept of Premchand's literary writing. • To develop the knowledge of Premchand's literary writing through the text. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Premchand's literary writing. • To prepare the students for pursuing research or careers in Premchand's literary writing and it's allied fields.
DSE-3(C)	Sampadan-Prakriya	<ul style="list-style-type: none"> • To develop the concept of Editing . • To develop the knowledge of Editing Process in Hindi. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Editing Process in Hindi. • To prepare the students for pursuing research or careers in Editing Work in Hindi.
DSE-3(D)	Chhayavadottar	<ul style="list-style-type: none"> • To develop the concept of Period of Post Chhayavad Hindi poetry.

	Kavya	<ul style="list-style-type: none"> To develop the knowledge of Post Chhayavad Hindi poetry through the text. To encourage the students for original thinking/thought/decision making. To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Post Chhayavad Hindi poetry. To prepare the students for pursuing research or careers in Post Chhayavad Hindi poetry.
DSE-3(E)	Hindi Aalochana	<ul style="list-style-type: none"> To develop the concept of Hindi Criticism. To develop the knowledge of Hindi Criticism. To encourage the students for original thinking/thought/decision making. To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Hindi Criticism. To prepare the students for pursuing research or careers in Hindi Criticism and it's allied fields.
DSE-3(F)	Hindi Gadya Ki Vividh Vidhayen	<ul style="list-style-type: none"> To develop the concept of different prose forms in Hindi literature. To develop the knowledge of different prose forms in Hindi literature through the text. To encourage the students for original thinking/thought/decision making. To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). To prepare the students with skills to analyze the different aspects of various prose forms in Hindi literature. To prepare the students for pursuing research or careers in different prose forms in Hindi literature and it's allied fields.
AEC		

SEMESTER-IV		
Course Code	Name of Course	Objectives
CC-8	Aadhunik Kavya	<ul style="list-style-type: none"> To develop the concept of Modern Hindi Poetry. To develop the knowledge of Modern Hindi Poetry through the text. To encourage the students for original thinking/thought/decision making. To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Modern Hindi Poetry. To prepare the students for pursuing research or careers in Modern Hindi Poetry.
CC-9	Kavyashastra	<ul style="list-style-type: none"> To develop the concept of Indian and Western Poetics in Hindi. To develop the knowledge of Indian and Western Poetics in Hindi. To encourage the students for original thinking/thought/decision making. To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Indian and Western Poetics in Hindi. To prepare the students for pursuing research or careers in Indian and Western Poetics in Hindi and it's allied fields. To enable and encourage the students to evaluate/review the literary writing in Hindi with their own vision.
GE-2(A)	Anuvaad-Vigyan	<ul style="list-style-type: none"> To develop the concept of translation. To develop the knowledge of translation. To encourage the students for original thinking/thought/decision making. To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). To prepare the students with skills to analyze the different aspects of translation. To prepare the students for pursuing research or careers in translation. To make the bridges in between different languages, cultures and nationalities for the communal harmony.
GE-2(B)	Bharatiya Sahitya	<ul style="list-style-type: none"> To develop the concept of Indian Literature. To develop the knowledge of Indian Literature.

		<ul style="list-style-type: none"> • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Indian Literature. • To prepare the students for pursuing research or careers in Indian Literature and it's allied fields. • To make the bridges in between different cultures/literatures and nationalities for the communal harmony.
DSE-4(A)	Adivaasi Vimarsh Aur Hindi Sahitya	<ul style="list-style-type: none"> • To develop the concept of Tribal discourse. • To develop the knowledge of Tribal discourse. • To sensitize the students regarding equality irrespective of race and democratic values through discourse. • To sensitize the students regarding environmental issues through the concerned discourse. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of Tribal discourse in Hindi literature. • To prepare the students for pursuing research or careers in Tribal discourse in Hindi literature.
DSE-4(B)	Tulanatmak Sahitya	<ul style="list-style-type: none"> • To develop the concept of Comparative Literature. • To develop the knowledge of Comparative Literature. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Comparative Literature. • To prepare the students for pursuing research or careers in Comparative Literature in Hindi and it's allied fields. • To make the bridges in between different cultures/literatures and nationalities for the communal harmony.
SEC		

